हर बिटिया को महिला बनने का सौभाग्य प्राप्त हो, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में इससे बड़ी कामना भला और क्या हो सकती है..😊?

गर्भ में प्रवेश किये हर स्त्री-भ्रूण को बालिका-रूप की प्राप्ति हो, तत्पश्चात बालिका-रूप की पूर्णता, युवती-रूप से होते हुए पत्नी-रूप और फिर मातृ-रूप में वे सम्पूर्णता को प्राप्त करे, यही तो सृष्टि की भी सद्-ईच्छा है..💐!

स्त्री-भ्रूण से लेकर मातृ-रूप तक की सम्पूर्ण यात्रा में अगर एक भी कड़ी टूटी या छूटी, तो फिर काहे का महिला दिवस..? यह तो एक बात हुई.😊!

दैहिक माँ रही नही, दैहिक बिटिया का सौभाग्य मुझे मिला नही, अब ले-दे कर माँ भगवती ने एक महिला के जीवन में मुझे ही बड़े मजबूत खूँटे से बाँध दिया है..!

यह इसलिए कि, महिला दिवस के अवसर पर हर वर्ष बाहर जाकर भाषण देने से बढ़िया है कि, अपने मलकिनी का भाषण घर में ही सुनते रहिये और महिला-दिवस की वैश्विक सार्वभौमिकता पर अपनी सहमति के स्वर को मुखरित करते रहिए..😊😊!

महिला-दिवस का उत्सव एक दिन नही, पुरे वर्ष भर मनाइये और अपने जीवन में सम्भावित-आगमित खुशियों को दिन दूनी-रात चौगुनी गति से बढ़ते देखिये, और मन का महो-महो होना सेन्ट-परसेंट गारंटीड कीजिये..💐

तेरी आँखों से मेरी साँसे हो,
मेरी आँखों में तेरा जीवन हो..💐

-अरूणोदय